शिव डमरू वाले का दरबार निराला है ll

शिव डमरू वाले का दरबार निराला हैं।
ऊँचे पर्वत धुनि रमा कर रहने वाला हैं।।
इसे चढ़ाये गंगा जल वो किस्मत वाला हैं।। हो हो हो।।
शिव डमरू वाले का----

कोई सोमनाथ है कहता हां कहता।
कोई बैधनाथ कोई अमरनाथ हैं कहता।।
हो एक लिंग शिव निराकार कहलाने वाला हैं।।
इसे चढ़ाये गंगा जल ---
शिव डमरू वाले का ---

जब भी कोई संकट आये हां आये।
व्याकुल होकर मन तेरा घबराये।।
हो ॐ नमः शिवाय मंत्र दुःख हरने वाला हैं।

इसे चढ़ाये गंगा जल ---
शिव डमरू वाले का ---

जब नजर मेहर की डाले हां डाले।
भक्तो के वो कर देता व्यारे न्यारे।।
भोला बाबा सदा ही भक्तो का रखवाला हैं।।

इसे चढ़ाये गंगा जल ---
शिव डमरू वाले का ---

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2468/title/shiv-damru-vale-ka-darbar-nirala-hai-uche-parvat-dhuni-rama-kar-rehne-vala-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |